901 **801(AA)**

2019

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र' को हिन्दी गद्य-साहित्य का जनक माना जाता है ।

ii) 'रानी केतकी की कहानी' की लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान हैं ।

iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक प्रख्यात कवि हैं ।

iv) डॉ० धर्मवीर भारती पूर्व मध्य काल के कवि हैं ।

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

i) 'चिन्तामणि'

ii) 'जनमेजय का नागयज्ञ'

iii) 'मेरी यूरोप यात्रा'

iv) 'विश्व-साहित्य की रूपरेखा' ।

ग) 'मैला आंचल' के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

घ) 'कलम का सिपाही' किस गद्य विधा पर आधारित रचना है ? 1

ङ) रेखाचित्र-साहित्य के किन्हीं **दो** लेखकों के नाम लिखिए । 1

2. क) द्विवेदी-युग की किन्हीं **दो** प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

ख) प्रयोगवादी काव्यधारा की **दो** प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 2

ग) 'छायावाद' के किसी **एक** कवि का नाम लिखिए । 1

VERTEXAL

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) मैं नहीं जानती कि वह शहंशाह था या साधारण मुगल, पर एक दिन इसी झोपड़ी के नीचे वह रहा । मैंने सुना था कि वह मेरा घर बनवाने की आज्ञा दे चुका था । मैं आजीवन अपनी झोपड़ी खोदवाने के डर से भयभीत रही । भगवान ने सुन लिया, मैं आज इसे छोड़े जाती हूँ । अब तुम इसका मकान बनाओ या महल, मैं अपने चिर-विश्राम-गृह जाती हूँ ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) आजीवन भयभीत रहने का कारण लिखिए।

ख) मानव-मन सदा से ही अज्ञात के रहस्यों को खोलने और जानने-समझने को उत्सुक रहा है । जहाँ तक वह नहीं पहुँच सकता था, वहाँ वह कल्पना के पंखों पर उड़कर पहुँचा । उसकी अनगढ़ और अविश्वनीय कथाएँ उसे सत्य के निकट पहुँचाने में प्रेरणा-शक्ति का काम करती रहीं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) मानव-मन किसके लिए उत्सुक रहा ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** पद्यांश की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 4 + 1

क) रानी मैं जानी अजानी महा,
पबि पाहन हूँ ते कठोर हियो है ।
राजहू काज अकाज न जान्यो,
कह्यो तिय को जिन कान कियो है ।।
ऐसी मनोहर मूरति ये,
बिछुरें कैसे प्रतीम लोग जियो है ?
आँखिन में, सखि ! राखिबे जोग
इन्हें किमि के बनवास दियो है ?

ख) सागर निज छाती पर जिनके,
अगणित अर्णव-पोत उठाकर ।
पहुँचाया करता था प्रमुदित,
भूमंडल के सकल तटों पर ।।
नदियाँ जिसकी यश-धारा-सी,
बहती हैं अब भी निशि-वासर ।
ढूँढ़ो, उनके चरण चिह्न भी,
पाओगे तुम इनके तट पर ।।

VERTEXAL

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) जयशंकर प्रसाद

ii) जय प्रकाश भारती

iii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) सूरदास

ii) सुमित्रा नन्दन पन्त

iii) सुभद्रा कुमारी चौहान ।

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमल सलिलतरङ्गाया: गङ्गाया: कूले स्थिता । अस्या: घट्टानां वलयाकृति: पंक्ति: धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते । अगणिता: पर्यटका: सुदूरेभ्य: देशेभ्य: नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्या: घट्टानां च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति ।

अथवा

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप ! कदापि मा वृथा: ।

अत्यन्त सरस हृदयो यत: परेषां गुणग्रहीतासि ।।

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

i) वाराणसी किमर्थं प्रसिद्धा ?

ii) नीर-क्षीर विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति ?

iii) वीर: केन पूज्यते ?

iv) ग्रामीणान् का उपाहसत् ?

8. क) हास्य रस **अथवा** करुण रस की परिभाषा उदाहरण-सहित लिखिए । 2

ख) 'उत्प्रेक्षा' **अथवा** 'उपमा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण-सहित लिखिए । 2

ग) 'सोरठा' **अथवा** 'रोला' छन्द की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए । 2

VERTEXAL

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1

i) अ

ii) अनु

iii) सु

iv) अभि

v) सह

vi) परि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1

i) आई

ii) ता

iii) वा

iv) त्व

v) वट

vi) हट ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए : 1 + 1

i) पाणिपाद

ii) त्रिभुवन

iii) महात्मा

iv) यशोधन

v) चन्द्रशेखर

vi) चौराहा ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

i) दूध

ii) मक्खी

iii) कुआँ

iv) भाप ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

i) पक्षी

ii) आँख

iii) आकाश

iv) जननी

v) गज ।

VERTEXAL

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

i) सु + आगतम्

ii) गुरु + आदेशः

iii) महा + औजः

iv) तदा + एव ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप षष्ठी विभक्ति, बहुवचन में लिखिए : 1 + 1

i) फल **अथवा** मति

ii) तद् (स्त्री) युष्मद् ।

ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) पठेत्

ii) हसन्तु

iii) अपचाम्

iv) दृक्ष्यसि ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

i) बालिकाएँ घर जाती हैं ।

ii) भारत हमारा देश है ।

iii) छात्रों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए ।

iv) तुम अपना कर्तव्य करो ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) प्रदूषण की समस्या एवं समाधान

ii) क्रिकेट मैच का आँखों देखा हाल

iii) परिश्रम ही सफलता की कुंजी है

iv) मोबाइल से होने वाले दुष्परिणाम

v) देश-प्रेम ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 3

क) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के 'आन्दोलन' सर्ग (चतुर्थ) की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

VERTEXAL

http://www.upboardonline.com

ख) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर 'कलिंग-युद्ध' का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

ग) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

ङ) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर किसी घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

च) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'राजसूय यज्ञ' सर्ग की कथावस्तु अपनी भाषा में लिखिए ।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

छ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक सर्ग का कथानक लिखिए जिसने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया हो ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ज) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का सारांश लिखिए ।

झ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

801(AA) - 5,40,000

VERTEXAL